एक दो बार दूध पीने से हुरमत सिद्ध नहीं होती।

आइशा (रज़ियल्लाहु अंहा) कहती हैं कि अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमायाः "एक दो बार दूध पीने से हुरमत सिद्ध नहीं होती।"
[सह़ीह़] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/58174